रायपुर : खुले में शौच की बुराई से मुक्त हुआ 'टीपाखोल'

रायपुर, 24 अप्रैल 2015

स्वच्छ भारत मिशन के तहत छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले का ग्राम टीपाखोल खुले में शौच की सामाजिक बुराई से पूरी तरह मुक्त हो गया है। वहां के लोगों ने अपने गांव को हमेशा साफ-सुथरा रखने का संकल्प लिया है। ज्ञातव्य है कि छत्तीसगढ़ में स्वच्छ भारत मिशन के तहत सभी 27 जिलों में क्रियाशील जिला जल एवं स्वच्छता समिति के जरिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी सिलसिले में रायगढ़ जिले में यह अभियान पूरे जोर-शोर से चलाया जा रहा है। चिन्हांकित गांवों में खुले में शौच की समस्या पर नियंत्रण पाने के लिए प्रयास शुरू कर दिया गया है। जिला प्रशासन की इस विशेष पहल से रायगढ़ जिला मुख्यालय से सात किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम 'टीपाखोल' ग्रामीणों की भागीदारी से जिले का प्रथम 'खुले में शौचमुक्त ग्राम' बन गया है। जिले में संचालित अभियान से जहां व्यक्तिगत शौचालय निर्माण में वृद्धि हुई है, वहीं जनमानस

में स्वच्छता संबंधी व्यवहार में भी परिवर्तन आया है। अब लोग घरों में शौचालय का निर्माण कर उसका सौ फीसदी उपयोग करने लगे हैं। 18 फरवरी 2015 से शुरू इस अभियान से टीपाखोल के ग्रामीणों ने महज एक माह में ही प्रत्येक घरों में शौचालय बना लिया है। इस गांव के लोगों ने अपने घर और गावं हमेशा स्वच्छ रखने की ठानी है।

उत्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस 2014 के अपने उद्बोधन में महात्मा गांधी को याद करते हुए कहा था कि गांधी जी को साफ-सफाई बहुत पसंद थी। गांव-गांव, शहर-शहर, गली, मुहल्ले, स्कूल, अस्पताल आदि सभी जगहों पर गंदगी को दूर करने के गांधी जी के सपने को वर्ष 2019 तक पूरा किया जाना है। इसी उददेश्य को ध्यान में रखकर छत्तीसगढ़ में यह अभियान जोर-शोर से चलाया जा रहा है।

स्वच्छ भारत अभियान के राज्य समन्वयक ने बताया कि रायगढ़-खरसिया मुख्य मार्ग पर ब्रिटिशकालीन विशाल जलाशय के बीच बसे टीपाखोल गांव में मात्र 77 परिवार निवास करते हैं। यहां की जनसंख्यां 253 हैं। आर्थिक, सामाजिक और शिक्षा की दृष्टि से यह गांव काफी पिछड़ा हुआ माना जाता था। ग्रामीण पहले खुले में ही शौच के लिए जाते थे। जिला प्रशासन द्वारा खुले में शौच मुक्त गांव बनाने के लिए क्षेत्रीय पंचायत एवं ग्रामीण विकास प्रशिक्षण केन्द्र में प्रशिक्षण दिया गया। जिला प्रशासन रायगढ़ के इस अभियान से प्रभावित होकर ग्रामीणों ने अपने घर में शौचालय बनाने की ठानी और खुले में शौच करने को बायकाट किया। ग्रामीणों का यह प्रयास प्रशासन के सहयोग से पूर्ण हो गया। आज रायगढ़ जिले में इस गांव की चर्चा स्वच्छता में मॉडल ग्राम के रूप में होती है। अभियान को आगे बढ़ाते हुए अब ग्राम गढ़कुर्री, डीपापारा(कोतरलिया), कुशवाबहरी आदि गांवों को चिन्हाकिंत कर स्वच्छ व निर्मल गांव बनाने की दिशा में प्रयास किया जा रहा है। वह दिन दूर नहीं जब रायगढ़ के सभी चिन्हांकित गांव खुले में शौच मुक्त गांव बन जाएंगे।